

असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii) प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

no. 317]

नई विस्ली, शनिवार, जुलाई 31, 1982/आवण 9, 1904 NEW DELHI, SATURDAY, JULY 31, 1982/SRAVANA 9, 1904

इस भाग में भिरम पृष्ठ संख्या थी जाती हैं जिसमें कि यह अलग संकलन के रूप में उत्था जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate complication

नागरिक पूर्ति मंत्रालय

अधिसचनाएँ

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 1982

का० अ1० 533 (अ) — केन्द्रीय मरकार, प्रश्निम सिंदर (विनियमन) ग्राधिनियम, 1952 की धारा 5 के अर्धान नेन्द्रल गुजरास बाटन डिलर्म एसोसि-गन, भड़ीच द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए प्रावेदन पर, बायदा बाजार प्रायोग के परामर्श से बिचार करके और प्रपान यह ममाधान हो जाने पर कि ऐसा करना ब्यापार के हिल में और लोकहिन में होगा, उक्त प्रसिन्यम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त गरिनयों का प्रयोग करने हुए, उक्त एसोसियेशन को कपाम में श्रीयम सिंवरी की बाबन इस प्रधिसूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख से तीन वर्ष की श्रवधि के लिए मान्यता प्राप्त करनी है।

2 इसके द्वारा प्रदत्त मान्यता इस णर्ग के श्रधान रहते हुए है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निदेशों का श्रनुपालन करेगी जो वायदा बाजार श्रायोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएँ।

[मिमिल मं० 12(2)-प्राई० र्ट(०/82(**]**)]

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES NOTIFICATIONS

New Delhi, the 31st July, 1982

s.o. 533(E).—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by Central Gujarat Cotton Dealers' Association, Broach, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a period

of three years as from the date of publication of this notification in the Gazette of India in respect of forward contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(2)-IT[82(J)]

कां आ० 534 (अ).—केन्द्रीय सरकार श्रीप्रम सिवदा (विनियमन) प्रिधिनियम, 1952 की धारा 5 के श्रधीन सदर्न गुजरान काटन डीलर्स एसो-सिएशन, स्रन द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर, वायदा बाजार श्रायोग के परामर्श में विचार करके श्रीर श्रपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना, व्यापार के हिन में श्रीर लोकहित में होगा, उक्त श्रधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त एसोसियणन को कपास में श्रीप्रम सिवदा की बाबत इस श्रधिसूचना के राजपन में प्रकाणन की तारीख से तीन वर्ष की श्रवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2 इसके द्वारा प्रदत्त मान्यता इस वर्ग के श्रर्धन रहते हुए है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निदेशों का श्रनुपालन करेगी जो वायदा बाजार श्रायोग द्वारा समय-समय पर दिए आएं।

[मिसिन स० 12(2) प्राई० टी०/82 (II)]

S.O. 534(E).—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Comraission, the application for renewal of recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by Southern Gujarat Cotton Dealers' Association, Surat and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a period of three years as from the date of publication of this notification

in the Gazette of India in respect of forward contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions, as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(2)-IT[82(II)]

का० आ० 535(अ) — केन्द्रीय सरकार, ग्रियम संविद्या (विनियम) प्रिधिनियम, 1952 की धारा 5 के अधीन नार्दनं इडिया काटन एसोसिएणन लि०, भटिंडा ब्रारा भान्यता के नवीकरण के लिए किए गए ग्रावेवन पर, वायवा बाजार ग्रायोग के परामर्श में विचार करके और प्रपान यह समाधान ही जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हिन में ग्रीर लोकहित में होगा, उवत श्रिधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रवत्त ग्रिक्तियों का प्रयोग करने हुए, उकन एसोसिएणन को कपाम में श्रीप्रम संविद्या की बाबन इस श्रिधमूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख से तीन वर्ष की श्रविध के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. इसके द्वारा प्रदत्तमान्यता इस शर्त के मधीन रहते हुये है कि उक्त एसोसिशन ऐसे निदेशों का अनुपालन करेगी जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाये।

[मिसिल संख्या 12(2)-ब्राई० टी०/82 (III)]

- S.O. 535(E).—The Central Government, having considered in the consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Northern India Cotton Association Ltd., Bhatinda and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a period of three years as from the date of publication of this notification in the Gazette of India in respect of forward contracts in cotton.
- 2. The accognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions, as may from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(2)-IT 82(III)]

का० आ० 536 (अ).— केन्द्रीय सरकार, श्रिप्रिम सिवदा (विनियमन) श्रिष्ठिनियम, 1952 की धारा 5 के श्रिष्ठीन श्रहमदाबाद काटन मर्नेन्ट्स एसीसिएशन, श्रहमदाबाद द्वारा मान्यमा के नवीकरण के लिए किए गए श्रावेवन पर, वायदा बाजार श्रायोग के परामर्श से विचार करके और श्रपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हिन में और लोकहिन में होगा, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 6 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुये, उक्त एसोसिएशन का कपाम में श्रीप्रम सिवदा की बाबत इस श्रिष्ठसूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख में नीन वर्ष की श्राविध के लिए मान्यता प्रवान करनी है।

2. इसके द्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के श्रधान रहते हुए है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निदेशों का श्रनुपालन करेगी जो वायदा बाजार श्रायोग द्वारा समय-समय पर दिए जायें।

[मिमिल मंख्या 12(2)-म्प्राई० टी०/82 (IV)]

S.O. 536(E).—The Central Government, having considered, in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 174 of 1952), by the Ahmedabad Cotton Merchants' Association, Ahmedabad, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do,

hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a period of three years as from the date of publication of this notification in the Gazette of India in respect of forward contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions, as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(2)-IT/82(IV)]

का० आ० 537 (अ).—केन्द्रीय सरकार, घग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 की धारा 5 के अधीन सेन्द्रल इण्डिया काटन एसोसिएशन लि०, उर्ज्जन द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए अविदन पर, वायवा बाजार आयोग के परामर्थ से विचार करके और अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में होगा, उपन प्रधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदल्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, उक्त एसोसिएशन को कपास में अग्निम संविद्या की बाबत इस अधिसूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अविधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. इसके द्वारा प्रवत्त मान्यता इस शर्त के अधीत रहते हुए है कि उक्त एसोमिएणन ऐसे निर्वेशों का अनुपालन करेगी जो वायवा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं।

[मिमिल स० 12(2) प्रार्ड टी o/82(V)]

- S.O. 537(E).—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Central India Colton Association Ltd., Uljain, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by the section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a period of three years as from the date of publication of this notification in the Gazette of India in respect of forward contracts in cotton,
- 2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(2)-IT[82(V)]

का० आ० 538 (अ) — केन्द्रीय सरकार, श्रियम संविद्या (विनियसन) श्रिष्ठिनियम, 1952 की घारा 5 के श्रिष्ठीम साउथ इण्डिया काटन एसोसि-एशन, कोयम्बन् र ढारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवेदन पर, नायदा बाजार श्रायोग के परामर्श से विचार करके और भपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहिन में होगा, उक्त श्रिष्ठिनयम की घारा 6 द्वारा प्रदत्त गंवित्यों का प्रयोग करने हुए, उक्त एसोसियेशन को कपास में श्रिप्तम संविद्या की बाबत इस श्रिष्ठ्यना के राजपन में प्रकाणन की नारीख से तीन वर्ष की श्रवधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. इसके उत्तरा प्रवत्त मान्यतः इस मार्न के अधीन रहते हुए हैं कि उक्त एसोसिएमन ऐसे निवेगों का भनुपालन करेगी जो बायदा वाजार भायोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं।

[फा॰ सं॰ 12(2)-प्राई० टी 82 (VI)]

इन्द्रमोहन सहाय, सयुक्त सम्बद्ध

- s.O. 538(E).—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the South India Cotton Association, Coimbatore, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a period of three years as from the date of publication of this notification in
- the Gazette of India in respect of forward contracts in cotton.
- 2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F. No. 12(2)-IT[82(VI)] I. M. SAHAI, Jt. Secretary.